मिनी ट्रक खराब होने से हाइवे पर लगा लंबा जाम

आधे घंटे तक रुकी रही यातायात व्यवस्था

सलामतपुर,24 नवम्बर. भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर सोमवार सुबह एक आयशर मिनी ट्रक के अचानक खराब हो जाने से करीब आधे घंटे तक लंबा जाम लग गया. सलामतपुर कस्बे के पास हुए इस अवरोध ने भोपाल और विदिशा की ओर जाने वाले दोनों दिशाओं में वाहनों की द्यद्गठ्ठद्दह्लह्ध4 कतारें खड़ी कर दीं, जिससे आमजन और यात्री बेहद परेशान रहे.

सूचना मिलते ही सलामतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और खराब मिनी ट्रक (एमपी 45 त्न 0677) को किनारे हटवाकर यातायात सुचारू कराया. जाम हटाने में पुलिस के साथ स्थानीय निवासियों ने भी मदद की.

'खूनी सड़क' की छवि बनता हाईवे, 4-लेन की मांग तेज: हाईवे-18 पर लगातार हो रहे सड़क हादसों से यह मार्ग स्थानीय स्तर पर 'खूनी सड़क' के नाम से जाना जाने लगा है. सलामतपुर, दीवानगंज, बालमपुर और बेरखेड़ी क्षेत्र के लोगों ने इस सड़क को जल्द 4-लेन बनाए जाने की मांग उठाई है.

सूत्रों के मुताबिक, पिछले एक वर्ष में इस मार्ग पर लगभग 100 सड़क हादसे हुए हैं, जिनमें 25 से अधिक लोगों की मौत दर्ज की जा चुकी है. हादसों की बढ़ती संख्या से सलामतपुर और सूखी सेवनिया पुलिस भी दबाव में है, क्योंकि सीमित पुलिस बल के कारण घटनास्थलों पर टीम भेजने के बाद थानों में स्टाफ की कमी हो जाती है और फरियादियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है.

हाइवे पर बढ़ रहा यातायात दबाव

गौरतलब है कि भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है. भारी वाहनों, दैनिक आवागमन और व्यावसायिक गतिविधियों के कारण यहां अक्सर ऐसी स्थिति बन जाती है. सोमवार को मिनी ट्रक के बीच सड़क पर खराब हो जाने से करीब एक किलोमीटर तक वाहनों की लाइनें लग गईं, जिससे आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. स्थानीय लोगों का कहना है कि हाइवे के संकरे होने और बढ़ते ट्रैफिक के चलते मामूली खराबी भी तुरंत बड़े जाम का रूप ले लेती है.

पुलिस का बयान

थाना प्रभारी सलामतपुर दिनेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि, कस्बे में आयशर मिनी ट्रक खराब होने से कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बनी थी. जानकारी मिलते ही पुलिस अमले ने वाहन को हटवाकर यातायात व्यवस्था को तुरंत सुचारू कर दिया.

गोहरगंज की घटना के विरोध में रैली

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

सिलवानी,24 नवम्बर. गोहरगंज थाना क्षेत्र में छह वर्षीय मासूम के साथ हुई दर्दनाक घटना को लेकर पूरे जिले में गहरा आक्रोश व्याप्त है. सोमवार को सिलवानी में नागरिकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, व्यावसायिक समुदाय और विभिन्न समाजों के लोगों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर शांतिपूर्ण विरोध रैली निकाली. सभी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी अमानवीय वारदातें समाज की संवेदनाओं को झकझोर देती हैं, इसलिए त्वरित न्याय और कठोरतम कार्रवाई आवश्यक है.

बजरंग चौराहा से शुरू हुई रैली तहसील प्रांगण तक पहुंची, जहां नागरिकों ने तहसीलदार सुधार शुक्ला को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में मांग की गई कि आरोपी सलमान को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाए. साथ ही, मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर पीड़ित परिवार को हरसंभव सरकारी सहायता एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी की गई. नागरिकों का कहना था कि मासूम बच्ची के साथ हुई यह बर्बर घटना किसी भी संवेदनशील समाज में स्वीकार्य नहीं है. समय पर कार्रवाई और कठोर दंड ही ऐसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगा सकते हैं. उन्होंने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि मामले में लापरवाही न करते हुए शीघ्र न्याय सुनिश्चित किया जाए. रैली में हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष राजीव सोनी, सलीम काजी, महेश नामदेव, श्याम साहू, विभोर नायक, हफीज मंसूरी, सुनील जैन, रवि गुप्ता, सुशील सोनी, विनोद मालवीय, दिनेश कुशवाहा, कल्लू मंसूरी, सलीम, सीताराम साहू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे.

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

▸ सुसाइड नोट बरामद – पुलिस जांच में जुटी

सिलवानी,24 नवम्बर. सागर मार्ग स्थित ग्राम इमलिया में रविवार शाम एक दुखद घटना सामने आई, जहां 18 वर्षीय सुरभि कुशवाहा (पिता जयराम कुशवाहा) ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. बताया जाता है कि घटना 21 नवंबर की रात लगभग 7 बजे की है. घटना के समय घर में परिजन मौजूद नहीं थे. बाद में जब परिजन पहुंचे तो घटना की सूचना पुलिस को दी गई.

सूचना मिलते ही सिलवानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा. इस दौरान पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसे जब्त कर उसकी गहराई से जांच की जा रही है.

एसआई अभिषेक खरे ने बताया कि मामले में प्रारंभिक तौर पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है. सुसाइड नोट की सामग्री और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा. पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की विवेचना कर रही है.

मृतका सुरभि कुशवाहा सियरमऊ स्थित एक स्कूल में कक्षा 12वीं की छात्रा थी. पढ़ाई में सामान्य और शांत स्वभाव के रूप में पहचानी जाने वाली सुरभि की अचानक मौत से गांव में शोक और सनसनी का माहौल है. स्थानीय लोगों में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएँ भी चल रही हैं. पुलिस ने परिजनों और परिचितों से भी पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि पता लगाया जा सके कि युवती किन परिस्थितियों से गुजर रही थी.

बिना पंजीयन दुकान संचालित करने पर जुर्माना

रायसेन, 24 नवम्बर. न्यायालय न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी मनोज उपाध्याय ने सेहतगंज के मुकेश किराना स्टोर के संचालक मुकेश नायक पर बिना खाद्य पंजीयन के दुकान संचालित करने पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है. साथ ही आदेश दिया गया है कि यह राशि 15 दिनों के भीतर निर्धारित शासकीय मद में जमा कराई जाए.

खाद्य सुरक्षा अधिकारी कल्पना आरसिया ने 30 जुलाई 2024 को सेहतगंज क्षेत्र में किराना दुकानों का निरीक्षण किया था. निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मुकेश किराना स्टोर बिना आवश्यक खाद्य पंजीयन के ही खाद्य सामग्री का विक्रय कर रहा था. खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत बिना पंजीयन के खाद्य व्यवसाय चलाना दंडनीय अपराध है.

मामले को न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने सुनवाई करते हुए नियम विरुद्ध पाए गए व्यवसाय पर आर्थिक दंड लगाया. अधिकारियों का कहना है कि खाद्य व्यवसाय के लिए पंजीयन अनिवार्य है, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और मानक अनुरूप खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके.

प्रशासन ने क्षेत्र के अन्य व्यवसायियों को भी चेतावनी दी है कि वे निर्धारित समय में अपने पंजीयन कराएं, अन्यथा उनके विरुद्ध भी इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी.

छात्र को अज्ञात कार ने मारी टक्कर, घायल

सलामतपुर, 24 नवम्बर. सोमवार दोपहर लगभग 2 बजे सलामतपुर रेलवे ओवरब्रिज के पास स्कूल से घर लौट रहे एक छात्र को अज्ञात कार ने सामने से टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया.

हादसे में छात्र को सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं, जबकि उसकी बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. घटना के समय वहीं से गुजर रहे बाइक चालक विशाल भोई ने घायल छात्र की मदद की और उसे तुरंत सलामतपुर थाने ले जाकर पुलिस को सूचना दी.

थाने के एएसआई रमेश रैकवार के अनुसार, विदिशा केंद्रीय विद्यालय में कक्षा 11 में पढ़ने वाला पंकज यादव (18), निवासी अमोदा, अपनी डिस्कवर बाइक क्रमांक स्क्क40 स्ष्व 3327 से घर लौट रहा था. तभी तेज़ और लापरवाही से चल रही अज्ञात कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. पुलिस ने छात्र के परिजनों को सूचना देकर डायल-112 की मदद से घायल को सांची सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है. पुलिस दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है.

थाना प्रभारी का बयान

रेलवे ओवरब्रिज के पास अज्ञात वाहन ने छात्र की मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, जिसमें उसे चोटें आई हैं. घायल को तत्काल 112 की मदद से सांची अस्पताल भेजा गया. मामले की जांच की जा रही है.

दिनेश सिंह रघुवंशी, थाना प्रभारी सलामतपुर

सड़क दुर्घटना में घायल किसान की इलाज के दौरान मौत

सलामतपुर,24 नवम्बर. भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर 4 नवंबर को हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल किसान राजू (33) पिता जवाहर सिंह निवासी मांची की इलाज के दौरान मौत हो गई. राजू को दुर्घटना के बाद पहले सांची सिविल अस्पताल ले जाया गया था, जहां से स्थिति नाजुक होने पर विदिशा और फिर भोपाल के निजी अस्पताल में रेफर किया गया. 14 नवंबर को उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई.

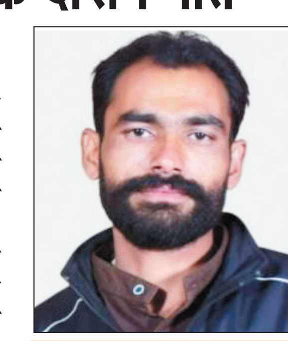

राजू की मौत के बाद ईंटखेड़ी थाना, भोपाल से मर्ग डायरी सलामतपुर थाने में पहुंची, जिसके आधार पर पुलिस ने लोडिंग वाहन 407 (एमपी 04 ह्र 6042) के चालक के खिलाफ धारा 106(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस का बयान

थाना प्रभारी सलामतपुर दिनेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि, दुर्घटना में घायल राजू की इलाज के दौरान मौत के बाद ईंटखेड़ी थाना से मर्ग डायरी प्राप्त हुई है. वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है.

मौसी के घर जा रहा था युवक

पुलिस के अनुसार 4 नवंबर को राजू अपनी मोटरसाइकिल एमपी 40 श्व 4267 से मौसी रानी के घर गाडरखेड़ी गांव जा रहा था. जैसे ही वह राताताई गांव की मूंगफली कालोनी के सामने पहुंचा, उसी दौरान भोपाल की ओर से आ रहे तेज रफ्तार 407 वाहन ने लापरवाहीपूर्वक उसे टक्कर मार दी. हादसे में राजू के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं, जिनके कारण 10 दिन बाद उसकी मौत हो गई. राजू किसानी के साथ मजदूरी भी करता था. उसके घर में पत्नी, 5 वर्षीय बेटी सृष्टि और 2 वर्षीय बेटा कार्तिक है. हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है.

जान जोखिम में डालकर पटरी पार करते लोग

सलामतपुर, 24 नवंबर. रेलवे स्टेशन से हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आई हैं, जहां लोग जल्दबाजी में अपनी जान की परवाह किए बिना खड़ी मालगाड़ी के नीचे से होकर रेलवे लाइन पार करते दिख रहे हैं. स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज मौजूद होने के बावजूद ग्रामीण, महिलाएं और छोटे बच्चे भी बिना हिचक ट्रेन के नीचे से गुजरते देखे जा रहे हैं.

राजीवनगर, इंद्रानगर, दफ़ाई और शुक्ला कॉलोनी जैसे इलाकों के लोग रोजमर्रा के कामों के लिए स्टेशन के दोनों ओर आना-जाना करते हैं. लेकिन सुरक्षित मार्ग होने के बावजूद वे जल्दी पहुँचने की चाह में सीधे रेलवे ट्रैक पार करने का जोखिम उठाते हैं. कई बार एक्सप्रेस या मालगाड़ी सिग्नल न मिलने पर कुछ मिनटों के लिए स्टेशन पर रुकती है, लेकिन लोग इंतजार करने के बजाय खड़ी ट्रेन के नीचे से निकल जाते हैं. यह लापरवाही किसी भी पल बड़ा हादसा बन सकती है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि फुट ओवरब्रिज से चढ़कर पार करने में अधिक समय लगता है, इसलिए वे सीधे पटरियों से ही निकलना सुविधाजनक समझते हैं. हालांकि रेलवे नियमों के अनुसार यह व्यवहार अत्यंत खतरनाक है और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ाता है.

इनका कहना है

'फुट ओवरब्रिज होते हुए भी ट्रेन के नीचे से निकलना जान जोखिम में डालना है. इस पर रोक लगनी चाहिए.'

रघुवीर सिंह मीणा, सरपंच राताताई

'फुट ओवरब्रिज से जाने में समय लगता है, इसलिए हम लाइन क्रॉस कर लेते हैं. कभी-कभी ट्रेन के नीचे से भी गुजर जाते हैं.'

भुजबल आदिवासी, राजीवनगर

युद्धकाल में बौद्ध धर्म की उपयोगिता पर गहन विमर्श

सलामतपुर,24 नवम्बर. साँची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज़ (आईएसबीएस) के रजत जयंती समारोह के दूसरे दिन सोमवार को बौद्ध दर्शन, पालि भाषा, युद्धकाल में बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता और अप्लाइड बुद्धिज़्म पर व्यापक चर्चा हुई. दूसरे दिन कुल चार सत्रों में 50 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें बौद्ध विचारधारा के ऐतिहासिक, दार्शनिक और समकालीन पहलुओं पर विस्तृत विमर्श हुआ.

प्रो. सुष्मिता पाण्डे की अध्यक्षता में आयोजित सत्र में शोधार्थियों ने मध्यप्रदेश की पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण साइट तुमेन पर अपने शोध प्रस्तुत किए. सत्र में भरहुत और साँची स्तूप के मानव मूल्यों, बौद्ध स्थापत्य में डर और साहस के दर्शन, तथा भारत-थाईलैंड संबंधों को बौद्ध सर्किट के संदर्भ में परखा गया. वहीं दूसरे समानांतर सत्र की अध्यक्षता प्रो. बंदना मुखर्जी ने की. इस सत्र में धम्मपद एवं धम्म उपदेशों में चित्त शुद्धि,बंगाल में बौद्ध दर्शन का पुनरुत्थान,श्रीलंका में बुद्ध धम्म की परंपरा,थेरगाथा में स्त्री का चित्रण,और जातक कथाओं का हिंदी साहित्य पर प्रभावजैसे विषयों पर चर्चा हुई.

मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र की बौद्ध विरासत पर मुख्य व्याख्यान

सामान्य सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. अरविंद जामखेड़कर ने मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की बौद्ध स्थापत्य पर विस्तृत विचार रखे. उन्होंने साँची स्तूप से जुड़े कई अनछुए पहलुओं को सामने लाते हुए उसके ऐतिहासिक दृष्टिकोण को नए आयाम दिए.

दिनभर की चर्चा के बाद सभी आमंत्रित शिक्षक, शोधार्थी और विद्वानों ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया और बोधि वृक्ष के दर्शन किए. इसके बाद सभी प्रतिनिधि साँची स्तूप पहुंचे और वहाँ बौद्ध धरोहर को नजदीक से समझा.

आज-सम्मेलन का अंतिम दिन

आईएसबीएस के रजत जयंती समारोह के तीसरे और अंतिम दिन दो विशेष सत्र आयोजित होंगे. इनमें प्रो. अरविंद जामखेड़कर, प्रो. सिद्धार्थ सिंह,और विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ अपने विचार रखेंगे. समापन सत्र में श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के वेनेगल उपतिस्स नायक थैरो विशेष रूप से शामिल होंगे.

पूर्व शासकीय अधिवक्ता पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

रायसेन. रायसेन जिले के बेगमगंज में पूर्व शासकीय अधिवक्ता बद्री विशाल गुप्ता पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है. आरोपी गुप्ता ने भोपाल में मजदूरी कर जीविकोपार्जन करने वाले रामबाबू लोधी से फौती नामांतरण के नाम पर 1500 रुपये लिए, पर उनका काम नहीं किया और उल्टा उसके नाम से फर्जी दस्तावेज कोर्ट में पेश कर दिए. थाना प्रभारी राजीव उईके ने बताया कि ग्राम बरखुआ निवासी रामबाबू लोधी को उसके गांव के शंकरलाल यादव से पता चला कि वकील बद्रीविशाल गुप्ता ने अदालत में एक प्रकरण में उसके नाम से कागज लगा दिए हैं.

अवलोकन ▸ ब्रेनिएक्स पब्लिक स्कूल के 120 विद्यार्थियों का भेड़ाघाट-चौसठ योगिनी-पिसनहारी की मढ़िया का शैक्षणिक भ्रमण

120 विद्यार्थियों ने किया सांस्कृतिक-ऐतिहासिक भ्रमण

सिलवानी, 24 नवम्बर. नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था ब्रेनिएक्स पब्लिक स्कूल द्वारा सोमवार को भेड़ाघाट, चौसठ योगिनी मंदिर और पिसनहारी की मढ़िया का एक दिवसीय शैक्षणिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भ्रमण आयोजित किया गया. 120 सदस्यीय दल में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक और विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थी शामिल थे.

भ्रमण की शुरुआत भेड़ाघाट से हुई, जहां विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध जलप्रपात और संगमरमर घाटियों की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता का नज़दीकी अवलोकन किया. शिक्षकों ने छात्रों को इस क्षेत्र की भौगोलिक संरचना और प्राकृतिक विरासत के महत्व के बारे में जानकारी दी. इसके बाद दल चौसठ योगिनी मंदिर पहुंचा. यहां जर्मनी से आए विदेशी पर्यटकों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से आत्मीय संवाद किया. उन्होंने सभी धर्मों के छात्रों को एक साथ अध्ययनरत देखकर भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की सराहना की. विद्यार्थियों ने मंदिर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और स्थापत्य कला पर भी जानकारी प्राप्त की.

अंतिम पड़ाव पिसनहारी की मढ़िया रहा. यहां विद्यार्थियों ने 13 तीर्थ स्थलों का अवलोकन करते हुए जैन संस्कृति, इतिहास और आध्यात्मिक धरोहर के बारे में जाना. शिक्षकों ने बताया कि यह स्थल सांस्कृतिक पहचान और विरासत संरक्षण के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है. पूरे भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को अनुशासन, समूह कार्य, सांस्कृतिक धरोहर के महत्व और पर्यावरण संरक्षण जैसे व्यवहारिक विषयों से अवगत कराया गया. सभी छात्रों ने इसे एक यादगार और ज्ञानवर्धक अनुभव बताया. विद्यालय के प्राचार्य गजेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों की अवलोकन क्षमता, आत्मविश्वास और व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ाते हैं तथा सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं.

220 किसानों को मिले मसूर मिनीकिट

सिलवानी,24 नवम्बर. धरती आबा योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत करतोली के ग्राम कारतोली में वन अधिकार पट्टाधारियों को मसूर की बुवाई के लिए नि:शुल्क मिनीकिट वितरित किए गए. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला किसानों ने भाग लिया और कुल 220 कृषक इस योजना से लाभान्वित हुए.

वितरण कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने किसानों को मिनीकिट प्रदान किए. इस अवसर पर कृषि विस्तार अधिकारी पीयूष ठाकुर और सुजीत धाकड़ ने उपस्थित किसानों को मसूर की उन्नत बुवाई पद्धति तथा वैज्ञानिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी. अधिकारियों ने समय पर बुवाई, बीज उपचार, उपयुक्त भूमि चयन, सिंचाई प्रबंधन और संतुलित उर्वरक उपयोग जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया, जिससे किसान बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें.

किसानों ने धरती आबा योजना के तहत प्रदान किए गए मिनीकिट को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे मसूर की पैदावार बढ़ाने में मदद मिलेगी. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन अधिकार पट्टाधारियों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना, उत्पादन क्षमता बढ़ाना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है.